बोरी नहीं अब बोतल में मिलेगी यूरिया - डॉक्टर कनौजिया

नैनो यूरिया की मात्रा 500 मिली प्रति एकड़ ही पर्याप्त है

जनपद के मुख्य क्षेत्र प्रबंधक मानसिंह वर्मा ने बताया कि नैनो यूरिया की 500 मिली मात्रा प्रति एकड़ के उपयोग से दानेदार यूरिया जिसका प्रयोग अभी तक किसान कर रहे थे की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने बताया कि छिड़काव धूप में बिल्कुल भी न करें तथा यह ध्यान रखें कि खेत में नमी का होना अति आवश्यक है । छिड़काव करते समय मुंह पर मास्क जरूर लगाएं । उन्होंने यह भी बताया कि तरल नैनो यूरिया का प्रयोग दानेदार यूरिया से सस्ता है तथा उत्पादन में 7 से 8त्न की वृद्धि प्राप्त होती है। जानकारी देने के उपरांत किसानों को छिड़काव के तरीके का भी प्रदर्शन धान के खेत में किया गया।

मनीष दीक्षित ब्यूरो

कन्नौज।कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी द्वारा द्वारा नैनो यूरिया के प्रयोग के बारे में कृषकों को प्रशिक्षण व जानकारी दी गई तथा इफको के द्वारा किसानों को नैनो यूरिया की 500 मिली की बोतल एक एकड़ क्षेत्रफल पर पर्णिय छिड़काव हेतु उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ वी.के. कनौजिया ने किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि नैनो यूरिया की 500 मिली की आधी मात्रा 250 मिली को आवश्यकतानुसार 150 से 200 लीटर पानी में मिलाकर धान, मक्का, आलू, गेहूं आदि की फसलों में पहले छिड़काव अर्थात बुवाई के 20 से 25 दिनों के उपरांत तथा दूसरा छिड़काव में बची हुई शेष मात्रा 250 मिली को उतने ही पानी में मिलाकर पहले छिड़काव के 20 दिन बाद छिड़काव किया जाना चाहिए। इस अवसर पर डॉ कनौजिया तथा इफको के क्षेत्र प्रबंधक के अतिरिक्त अमरेंद्र यादव, कृषि वैज्ञानिक तथा अनेक किसान कृष्ण पाल सिंह, पछाएपुरवा, अमरनाथ, डिगसरा, वीरेंद्र सिंह, पचापुखरा, श्रवण कुमार, पिंडारी खेड़ा, राजवीर सिंह, तिलपई के अतिरिक्त बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
www.shashwattimes.com

बोरी नहीं अब बोतल में मिलेगी यूरिया: डॉक्टर कनौजिया

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी द्वारा नैनो यूरिया के प्रयोग के बारे में कृषकों को प्रशिक्षण व जानकारी दी गई। तथा इफको के द्वारा किसानों को नैनो यूरिया की 500 मिली की बोतल एक एकड़ क्षेत्रफल पर पर्णिय छिड़काव हेतु उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ वी.के. कनौजिया ने किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि नैनो यूरिया की 500 मिली की आधी मात्रा 250 मिली को आवश्यकतानुसार 150 से 200 लीटर पानी में मिलाकर धान, मक्का, आलू, गेहूं आदि की फसलों में पहले छिड़काव अर्थात बुवाई के 20 से 25 दिनों के उपरांत तथा दूसरा छिड़काव में बची हुई शेष मात्रा 250 मिली को उतने ही पानी में मिलाकर प्रथम छिड़काव के 20 दिन बाद छिड़काव किया जाना चाहिए। इस अवसर पर डॉ कनौजिया तथा इफको के क्षेत्र प्रबंधक के अतिरिक्त अमरेंद्र यादव, कृषि वैज्ञानिक तथा अनेक किसान कृष्ण पाल सिंह, पछाएपुरवा, अमरनाथ, डिगसरा, वीरेंद्र सिंह, पचापुखरा, श्रवण कुमार, पिंडारी खेड़ा, राजवीर सिंह, तिलपई के अतिरिक्त बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

5:33 AM
610ae1acf23c05.pdf

किसानों को बोरी में नहीं अब बोतल में मिलेगी यूरिया

कानपुर, 4 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी द्वारा नैनो यूरिया के प्रयोग के बारे में कृषकों को प्रशिक्षण व जानकारी दी गई तथा इफको के द्वारा किसानों को नैनो यूरिया की 500 मिली की बोतल एक एकड़ क्षेत्रफल पर पर्णिय छिड़काव हेतु उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ वी.के. कनौजिया ने किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि नैनो यूरिया की 500 मिली की आधी मात्रा 250 मिली को आवश्यकतानुसार 150 से 200 लीटर पानी में मिलाकर धान, मक्का, आलू, गेहूं आदि की फसलों में पहले छिड़काव अर्थात बुवाई के 20 से 25 दिनों के उपरांत तथा दूसरा छिड़काव में बची हुई शेष मात्रा 250 मिली को उतने ही पानी में मिलाकर प्रथम छिड़काव के 20 दिन बाद छिड़काव किया जाना चाहिए। मानसिंह वर्मा, मुख्य क्षेत्र प्रबंधक, कन्नौज ने बताया कि नैनो यूरिया की 500 मिली मात्रा प्रति एकड़ के उपयोग से दानेदार यूरिया जिसका प्रयोग अभी तक किसान कर रहे थे की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने बताया कि छिड़काव धूप में बिल्कुल भी न करें तथा यह ध्यान रखें कि खेत में नमी का होना अति आवश्यक है । छिड़काव करते समय मुंह पर मास्क जरूर लगाएं । उन्होंने यह भी बताया कि तरल नैनो यूरिया का प्रयोग दानेदार यूरिया से सस्ता है तथा उत्पादन में 7 से 8त्न की वृद्धि होती है। जानकारी देने के उपरांत किसानों को छिड़काव के तरीके का भी प्रदर्शन धान के खेत में किया गया । इस अवसर पर डॉ कनौजिया तथा इफको के क्षेत्र प्रबंधक के अतिरिक्त अमरेंद्र यादव, कृषि वैज्ञानिक तथा अनेक किसान कृष्ण पाल सिंह, पछाएपुरवा, अमरनाथ, डिगसरा, वीरेंद्र सिंह, पचापुखरा, श्रवण कुमार, पिंडारी खेड़ा, राजवीर सिंह, तिलपई के अतिरिक्त बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

सहारा

किसान बोतल में ले सकेंगे नैनो यूरिया

कानपुर (एसएनबी)। अव तक वोरियों में भर कर खेतों के लिये यूरिया ले जाने वाले किसान अव इसे वोतल में ले जा सकेंगे। इस लिक्विफाइड नैनो यूरिया के प्रयोग का प्रशिक्षण चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को दिया गया।

नैनो यूरिया को किसानों को इफ्को द्वारा उपलव्ध कराया गया है। वताया गया कि इसकी 500 एमएल की एक वोतल एक एकड़ क्षेत्रफल पर छिड़काव के लिये पर्याप्त है। किसानों को प्रशिक्षण देते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.वीके कनौजिया ने वताया कि 250 एमएल नैनो यूरिया को आवश्यकतानुसार 150 से 200 लीटर पानी में मिलाकर धान, मक्का, आलू और गेहूं आदि की फसलों में पहला छिड़काव वुवाई के 20 से 25 दिन वाद और दूसरा छिड़काव पहले के 20 दिन वाद करना होगा।

कन्नौज के मुख्य क्षेत्र प्रवंधक मानसिंह वर्मा ने वताया कि नैनो यूरिया की 500 एमएल मात्रा का प्रति एकड़ प्रयोग करने दानेदार यूरिया की कतई आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि इसका उपयोग करने वाले किसानों ने यह स्वीकारा है। उन्होंने कहा कि यह छिड़काव धूप में किसी कीमत पर नहीं किया जाना चाहिये और तभी किया जाना चाहिये, जव खेत में नमी हो। छिड़काव करते समय मुंह पर मास्क लगाना भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि तरल नैनो यूरिया का प्रयोग दानेदार यूरिया की तुलना में सस्ता है और इससे उत्पादन में भी 7 से 8 फीसद की वृद्धि होती है। किसानों को छिड़काव के तरीके से भी परिचित कराया गया। यहां अमरेन्द्र यादव, कृष्णपाल सिंह, अमरनाथ, वीरेन्द्र सिंह, राजवीर सिंह, श्रवण कुमार आदि थे।

लोक भारती

05/08/2021

कन्

बोरी नहीं अब बोतल में मिलेगी यूरिया: डॉक्टर कनौजिया

मनीष दीक्षित/प्रसांत पाठक

जलालाबाद/कन्नौज।कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी द्वारा द्वारा नैनो यूरिया के प्रयोग के बारे में कृषकों को प्रशिक्षण व जानकारी दी गई तथा इफको के द्वारा किसानों को नैनो यूरिया की 500 मिली की बोतल एक एकड़ क्षेत्रफल पर पर्णिय छिड़काव हेतु उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ वी.के. कनौजिया ने किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि नैनो यूरिया की 500 मिली की आधी मात्रा 250 मिली को आवश्यकतानुसार 150 से 200 लीटर पानी में मिलाकर धान, मक्का, आलू, गेहूं आदि की फसलों में पहले छिड़काव अर्थात बुवाई के 20 से 25 दिनों के उपरांत तथा दूसरा छिड़काव में बची हुई शेष मात्रा 250 मिली को उतने ही पानी में मिलाकर पहले छिड़काव के 20 दिन बाद

छिड़काव किया जाना चाहिए। इस अवसर पर डॉ कनौजिया तथा इफको के क्षेत्र प्रबंधक के अतिरिक्त अमरेंद्र यादव, कृषि वैज्ञानिक तथा अनेक किसान कृष्ण पाल सिंह, पछाएपुरवा, अमरनाथ, डिगसरा, वीरेंद्र सिंह, पचापुखरा, श्रवण कुमार, पिंडारी खेड़ा, राजवीर सिंह, तिलपई के अतिरिक्त बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

नैनो यूरिया की मात्रा 500 मिली प्रति एकड़ ही पर्याप्त है: जनपद के मुख्य क्षेत्र प्रबंधक मानसिंह वर्मा ने बताया कि नैनो यूरिया की 500 मिली मात्रा प्रति एकड़ के उपयोग से दानेदार यूरिया जिसका प्रयोग अभी तक किसान कर रहे थे की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने बताया कि छिड़काव धूप में बिल्कुल भी न करें तथा यह ध्यान रखें कि खेत में नमी का होना अति आवश्यक है । छिड़काव करते समय मुंह पर मास्क जरूर लगाएं । उन्होंने यह भी बताया कि तरल नैनो यूरिया का प्रयोग दानेदार यूरिया से सस्ता है तथा उत्पादन में 7 से 8प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त होती है। जानकारी देने के उपरांत किसानों को छिड़काव के तरीके का भी प्रदर्शन धान के खेत में किया गया।

7:20 am

नैनो यूरिया के प्रयोग के बारे में किसानों को दिया प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी द्वारा बुधवार को किसानों को नैनो यूरिया के प्रयोग के बारे में प्रशिक्षण व जानकारी दी गई साथ ही इफको के द्वारा किसानों को नैनो यूरिया की 500 मिली की बोतल एक एकड़ क्षेत्रफल पर पर्णिय छिड़काव के लिए उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ वी.के. कनौजिया ने किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि नैनो यूरिया की 500 मिली की आधी मात्रा 250 मिली को आवश्यकतानुसार 150 से 200 लीटर पानी में मिलाकर धान, मक्का, आलू, गेहूं आदि की फसलों में पहला छिड़काव अर्थात बुवाई के 20 से 25 दिनों के उपरांत तथा दूसरा छिड़काव में बची हुई शेष मात्रा 250 मिली को उतने ही पानी में मिलाकर प्रथम छिड़काव के 20 दिन बाद छिड़काव किया जाना चाहिए। मुख्य क्षेत्र प्रबंधक कन्नौज मानसिंह वर्मा ने बताया कि नैनो यूरिया की 500 मिली मात्रा प्रति एकड़ के उपयोग से दानेदार यूरिया जिसका प्रयोग अभी तक किसान कर रहे थे की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने बताया कि छिड़काव के समय खेत में नमी होना आवश्यक है तथा छिड़काव करते समय मुंह पर मास्क जरूर लगाएं ।

उन्होंने यह भी बताया कि तरल नैनो यूरिया का प्रयोग दानेदार यूरिया से सस्ता है तथा उत्पादन में 7 से 8 फीसदी की वृद्धि होती है। जानकारी देने के उपरांत किसानों को छिड़काव के तरीके का भी प्रदर्शन धान के खेत में किया गया । इस अवसर पर अमरेंद्र यादव, कृषि वैज्ञानिक तथा अनेक किसान कृष्ण पाल सिंह, पछाएपुरवा, अमरनाथ, डिगसरा, वीरेंद्र सिंह, पचापुखरा, श्रवण कुमार, पिंडारी खेड़ा, राजवीर सिंह, तिलपई के अतिरिक्त बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष: 6, अंक : 121 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, गुरुवार
05 अगस्त, 2021
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

मिनी एयरपोर्ट का नाम पूर्व सीएम कल्याण सिंह के नाम पर रखने की मांग....6

मानव स्वास्थ्य के लिए लाभकारी करौंदा

शाश्वत टाइम्स कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर की गृह वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा ने बताया कि करौंदा मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है उन्होंने कहा की करौंदा एक झाड़ीनुमा पोधा होता है। करोंदे का प्रयोग अचार ओर सब्ज़ी बनाने में किया जाता है। इसका पोधा बीज से अगस्त या सितम्बर में1.5 मीटर की दूरी पर लगाया जाता है इसका स्वाद खट्टा होता है स्वभाव से ये गर्म तासीर का होता है पके हुए करोंदे खाने में बहुत अच्छे लगते है करोंदा भूख को बढ़ाता

है। और पित्त को शांत करता है यह हृदय के लिए लाभकारी होता है करोंदे खाने से रोगप्रतिरोधक क्षमता बड़ती है कैल्सीयम होने के कारण यह दांतों के लिए लाभकारी होता है यह मुख को स्वस्थ रखता है इसको खाने से बजन कम होता है तथा हड्डियों को मजबूती एवं चमकती त्वचा, मुँहासे की रोकथाम, बालों का बडना आदि करौंदा पोषक तत्वों से भरपूर होता है इसमें प्रोटीन 1.1 से 2.2, विटामिन सी 1.6 से 17.9 मिलीग्राम प्रति 100ग्राम, लोहा तत्व 39.1 मिलीग्राम प्रति 100ग्राम, कैल्सीयम 21 मिलीग्राम प्रति 100ग्राम, फास्फोरस 38 मिलीग्राम प्रति 100ग्राम पाया जाता है इसलिए ये स्वस्थ प्रतिरक्षा का निर्माण करता है ओर शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है साथ ही इसमें मोजूद लोहा हिमोगलोविन की कमी नही होने देता है एस प्रकार से करौंदा हमारे शरीर के लिए अति लाभदायक होता है।